पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय

मांग संख्या 90

संस्कृति विभाग

क. वसूलियों को घटाने के बाद बजट आवंटन इस प्रकार हैं :

(करोड़ रुपए)

	मुख्य शीर्ष	बजट 2003-2004			संशोधित 2003-2004			बजट 2004-2005		
		आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़
राजस्व		225.20	318.52	543.72	231.90	318.52	550.42	354.50	310.83	665.33
पूंजी		...	...	...	*18.10*	...	*18.10*	*45.50*	...	*45.50*
जोड़		**225.20**	**318.52**	**543.72**	**250.00**	**318.52**	**568.52**	**400.00**	**310.83**	**710.83**
1. सचिवालय-सामाजिक सेवाएं	2251	4.75	9.49	14.24	4.75	9.49	14.24	5.95	10.00	15.95
कला और संस्कृति										
कला और संस्कृति का संवर्धन										
2. क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र	2205	6.50	...	6.50	6.68	...	6.68	20.00	...	20.00
3. संगीत नाटक अकादमी	2205	7.00	4.51	11.51	7.79	4.51	12.30	8.75	4.70	13.45
4. ललित कला अकादमी	2205	3.10	3.44	6.54	3.40	3.44	6.84	4.50	3.75	8.25
5. साहित्य अकादमी	2205	5.00	3.09	8.09	5.29	3.09	8.38	6.50	3.35	9.85
6. भारत महोत्सव	2205	...	1.20	1.20	...	1.20	1.20	...	1.30	1.30
7. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र	2205	0.10	0.01	0.11	0.10	0.01	0.11	0.40	0.01	0.41
8. राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय	2205	6.50	3.40	9.90	6.90	3.40	10.30	8.00	3.65	11.65
9. राष्ट्रीय आधुनिक कला वीथि	2205	4.00	1.12	5.12	3.77	1.12	4.89	4.00	1.25	5.25
10. एशियाटिक सोसायटी, कोलकाता	2205	1.80	3.45	5.25	1.80	3.45	5.25	2.00	3.90	5.90
11. सांस्कृतिक संसाधन एवम् प्रशिक्षण केन्द्र	2205	4.92	1.63	6.55	4.92	1.37	6.29	5.30	1.80	7.10
12. नृत्य, नाटक और नाट्यशाला केन्द्र	2205	7.70	1.00	8.70	7.70	1.00	8.70	8.00	1.10	9.10
13. गांधी शान्ति पुरस्कार	2205	...	1.30	1.30	...	1.30	1.30	...	1.30	1.30
14. खालसा पंथ की 300वीं वर्षगांठ	2205	...	1.00	1.00	...	1.00	1.00	...	...	...
15. भारतीय गणराज्य की 50वीं वर्षगांठ समारोह	2205	...	1.00	1.00	...	1.00	1.00	...	...	...
16. राष्ट्रीय संस्कृति निधि	2205	2.00	...	2.00	2.00	...	2.00	3.00	...	3.00
17. महावीर जन्म कल्याणक का 2600वां वर्ष समारोह	2205	...	...	...	...	1.00	1.00	...	...	...
18. लोकनायक जयप्रकाश नारायण का जन्म शताब्दी समारोह	2205	...	10.00	10.00	...	10.00	10.00	...	0.01	0.01
19. चौधरी चरण सिंह का जन्म शताब्दी समारोह	2205	...	10.00	10.00	...	7.00	7.00	...	...	...
20. अन्य	2205	31.95	20.82	52.77	33.64	21.81	55.45	45.31	22.61	67.92
जोड़-कला और संस्कृति का संवर्धन, पुरातत्व, अभिलेखागार और संग्रहालय		**80.57**	**66.97**	**147.54**	**83.99**	**65.70**	**149.69**	**115.76**	**48.73**	**164.49**
21. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण	2205	45.50	164.65	210.15	47.50	166.75	214.25	70.00	169.30	239.30
	3601	...	1.00	1.00	...	1.00	1.00	...	1.00	1.00
	जोड़	*45.50*	*165.65*	*211.15*	*47.50*	*167.75*	*215.25*	*70.00*	*170.30*	*240.30*
22. भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार	2205	1.35	8.00	9.35	1.33	8.00	9.33	2.40	8.70	11.10
	3601	0.60	...	0.60	0.60	...	0.60	0.60	...	0.60
	जोड़	*1.95*	*8.00*	*9.95*	*1.93*	*8.00*	*9.93*	*3.00*	*8.70*	*11.70*
23. राष्ट्रीय संग्रहालय	2205	4.00	7.00	11.00	4.00	7.00	11.00	8.00	7.70	15.70
24. राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद	2205	6.50	13.00	19.50	6.50	13.00	19.50	12.00	14.00	26.00
25. विज्ञान नगर	2205	13.11	...	13.11	14.61	...	14.61	21.00	...	21.00
26. भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण	2205	2.50	9.12	11.62	2.50	9.86	12.36	3.25	9.85	13.10
27. नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली	2205	2.50	4.81	7.31	2.50	4.81	7.31	2.60	4.86	7.46
28. भारतीय संग्रहालय, कोलकाता	2205	4.50	3.50	8.00	4.00	3.50	7.50	5.00	3.75	8.75
29. सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद	2205	4.50	4.00	8.50	4.50	4.00	8.50	5.00	4.00	9.00
30. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल	2205	3.30	1.50	4.80	3.30	1.50	4.80	3.60	1.55	5.15
31. अन्य कार्यक्रम	2205	8.71	4.56	13.27	9.45	4.17	13.62	13.51	4.72	18.23
जोड़-पुरातत्व, अभिलेखागार और संग्रहालय		**97.07**	**221.14**	**318.21**	**100.79**	**223.59**	**324.38**	**146.96**	**229.43**	**376.39**
पुस्तकालय										
32. राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता	2205	5.00	10.00	15.00	4.50	10.00	14.50	6.00	11.00	17.00
33. दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी	2205	1.00	5.75	6.75	1.20	4.75	5.95	3.00	6.10	9.10

(करोड़ रुपए)

	मुख्य शीर्ष	बजट 2003-2004 आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	संशोधित 2003-2004 आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	बजट 2004-2005 आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़
34. राजा राम मोहन राय लाइब्रेरी	2205	8.00	1.30	9.30	8.50	1.30	9.80	10.00	1.50	11.50
35. अन्य पुस्तकालय	2205	6.21	3.27	9.48	5.17	3.29	8.46	30.78	3.47	34.25
	3601	0.60	0.60	1.20	0.50	0.40	0.90	0.60	0.60	1.20
	जोड़	*6.81*	*3.87*	*10.68*	*5.67*	*3.69*	*9.36*	*31.38*	*4.07*	*35.45*
जोड़-पुस्तकालय		**20.81**	**20.92**	**41.73**	**19.87**	**19.74**	**39.61**	**50.38**	**22.67**	**73.05**
पूर्वोत्तर क्षेत्र										
36. पूर्वोत्तर क्षेत्र और सिक्किम की परियोजना/योजनाओं के लिए एकमुश्त प्रावधान	2552	22.00	...	22.00	22.50	...	22.50	35.45	...	35.45
37. संस्कृति विभाग द्वारा संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों की परियोजनाओं का निर्माण	4202	...	...	...	18.10	...	18.10	45.50	...	45.50
जोड़-कला और संस्कृति		**220.45**	**309.03**	**529.48**	**245.25**	**309.03**	**554.28**	**394.05**	**300.83**	**694.88**
कुल जोड़		***225.20***	***318.52***	***543.72***	***250.00***	***318.52***	***568.52***	***400.00***	***310.83***	***710.83***
ग. आयोजना परिव्यय*-	विकास शीर्ष	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं	जोड़	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़
1. कला और संस्कृति	22205	223.25	...	223.25	229.45	...	229.45	358.60	...	358.60
2. सचिवालय-सामाजिक सेवाएं	22251	4.75	...	4.75	4.75	...	4.75	5.95	...	5.95
3. पूर्वोत्तर क्षेत्र	22552	22.00	...	22.00	22.50	...	22.50	35.45	...	35.45
	जोड़	*250.00*	*...*	*250.00*	*256.70*	*...*	*256.70*	*400.00*	*...*	*400.00*
	** इसके अंतर्गत शहरी विकास एवं गरीबी उन्मूलन मंत्रालय की मांगों में प्रदत्त निर्माण कार्य परिव्यय शामिल है।*									
मांग संख्या 99		24.80	...	24.80	6.70	...	6.70	...	...	...
	जोड़	*24.80*	...	24.80	6.70	...	6.70	...	...	...

1. **सचिवालय-सामाजिक सेवाएं** : इसमें विभाग के सचिवालय के व्यय के लिए व्यवस्था है।

केंद्रीय सचिवालय ग्रंथागार में शास्त्री भवन, क्षेत्रीय भाषाओं के लिए बहावलपुर हाउस स्थित तुलसी सदन ग्रंथागार तथा आर.के.पुरम. ग्रंथागार स्थित तीन विभिन्न शाखाओं में छः लाख पुस्तकों का संग्रह है, जो सरकारी अधिकारियों के वार्डों की पुस्तकों की आवश्यकताओं के साथ ही सामान्य पठन प्रयोजन को भी पूरा करता है। इस ग्रंथागार ने विकास साहित्य तथा भारतीय भाषाओं संबंधी पुस्तकों की प्राप्ति के अतिरिक्त पाठकों के व्यापक वर्गों को इंटरनेट के माध्यम से डिजिटल रूप में सूचना प्रदान करने हेतु विभिन्न परियोजनाओं को भी आरम्भ किया है। केन्द्रीय सचिवालय ग्रंथागार एक और अपने छः लाख पुस्तकों की मशीन पठ्य सूची पत्र के विकास संबंधी परियोजना को पूरा करने की प्रक्रिया में है, दूसरी ओर इसने भारत के राजपत्र दस्तावेज, आयोग एवं समिति रिपोर्टों के डिजिटेशन की परियोजना भी आरम्भ की है, जिसमें वेब डाटा बेस विकसित करने के प्रयोजनार्थ आवश्यक सभी अंतर्राष्ट्रीय मानकों एवं उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। हाल ही में केंद्रीय सचिवालय ग्रंथागार ने अपने पुस्तकालय नियमावली का संशोधन कर विद्याविद्, अनुसंधानकर्ताओं तथा अन्य गंभीर पाठकों के लिए अपने द्वारा खोल दिए हैं। सरकारी कर्मचारियों के वार्डों के लाभार्थ इसने आर.के. पुरम में एक अंडरग्रेजुएट स्तरीय पाठ्य पुस्तक ग्रंथागार भी आरम्भ किया है।

2. **क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र** : इस योजना का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों को उन सांस्कृतिक सम्बन्धों पर बल देना है, जो क्षेत्रीय और भाषायी सीमाओं से परे होते हैं। ये केन्द्र न केवल विभिन्न राज्यों की संस्कृति के स्वरूप और शैलियों को प्रतिबिम्बित करेंगे बल्कि समूचे देश की सामासिक संस्कृति का संयुक्त रूप से प्रतिनिधित्व करेंगे ।

3. **संगीत नाटक अकादमी** : संगीत नाटक अकादमी की स्थापना सन् 1953 में अभिनय कलाओं के संवर्धन के लिए की गई थी । यह अकादमी भारतीय संगीत, नृत्य तथा नाटकों के संवर्धन एवं विकास के लिए अभिनय कलाओं में प्रशिक्षण के स्तर को बनाए रखने के लिए संगीत, नृत्य तथा नाटकों के विभिन्न रूपों के संबंध में सामग्रियों के पुनरुद्धार, संरक्षण, प्रलेखन तथा प्रचार के लिए और प्रतिभाशाली कलाकारों को सम्मान प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करती है ।

4. **ललित कला अकादमी** : ललित कला अकादमी सृजनात्मक दृश्य कलाओं के क्षेत्र में गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और समन्वित करने तथा देश की सांस्कृतिक एकता का संवर्द्धन करने के लिए एक राष्ट्रीय संगठन है। भारत सरकार ने अकादमी का प्रबंधन एलकेए (प्रबंधन का अधिग्रहण) अधिनियम, 1997 के अनुसार अपने हाथ में लिया है। चुनाव के बाद अकादमी फिर कलाकारों को वापस कर दी गई है।

5. **साहित्य अकादमी** : इसकी स्थापना भारतीय साहित्य के विकास तथा उच्च साहित्यिक मानकों को स्थापित करने, सभी भारतीय भाषाओं में साहित्यिक कार्यकलापों को प्रोत्साहित करने तथा उनमें समन्वय स्थापित करने और उनके माध्यम से देश की सांस्कृतिक एकता को प्रोत्साहित करने के लिए की गई है ।

6. **भारत महोत्सव** :- भारत महोत्सव का प्रारंभ विदेशों में भारत महोत्सव आयोजित करके और भारत में उन देशों के महोत्सव आयोजित करके सांस्कृतिक संबंधों के संवर्धन के उद्देश्य से किया गया। यह विदेशों में भारत की सांस्कृतिक छवि दर्शाने में भी सहायता करता है तथा भारत में विभिन्न गंतव्य स्थानों की पर्यटन क्षमता में भी वृद्धि करता है। अभी तक यूनाइटेड किंगडम, सं.रा.उ., फ्रांस, सोवियत समाजवादी गणतंत्र संघ (यूएसएसआर), जापान, स्वीडन, जर्मनी, चीन और थाइलैंड में भारत महोत्सव आयोजित किए गए थे। रूस (सो.स.ग.सं.), जापान, फ्रांस, चीन, थाइलैंड, और स्वीडन के परस्पर महोत्सव भी भारत में आयोजित किए गए। जर्मनी का महोत्सव भारत में अक्तूबर, 2000 से मार्च, 2001 तक आयोजित किया गया । भूटान में भारत महोत्सव का आयोजन जून 2003 से नवम्बर, 2003 तक किया गया। वर्तमान में विदेशों में छोटे पैमाने पर भारत महोत्सव आयोजित करने के प्रस्ताव विचाराधीन है, जिससे भारतीय संस्कृति वं परम्पराओं का प्रचार-प्रसार किया जा सके तथा भारत में उत्पादित हस्तशिल्पों की समृद्ध किस्मों को लोकप्रिय बनाया जा सके। ऐसे महोत्सव भारत में पर्यटक आकर्षण के विभिन्न मदों के बारे में लोगों को परिचित कराकर विदेशी पर्यटकों को भी आकृष्ट करते हैं।

7. **इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र :** आई. जी. एन. सी. ए. की स्थापना स्वर्गीय श्रीमती इन्दिरा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री की स्मृति में की गई थी। यह केन्द्र नवम्बर, 1985 में आरम्भ किया गया था और बाद में एक स्वायतशासी न्यास के रूप में गठित किया गया था । इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र को शैक्षिक कार्यक्रमों को चलाने और ब्याज आय से इसका प्रशासनिक खर्च पूरा करने के

लिए इसे संग्रह निधि भी दी गई थी । इसके अतिरिक्त, केन्द्र को इसके भवन निर्माण के लिये पर्याप्त मात्रा में धन राशि भी दी गई है जिसका निर्माण नई दिल्ली में किया जा रहा है।

8. **राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय** : सन् 1959 में स्थापित यह संस्था देश में नाट्य कला का प्रशिक्षण और प्रचार का कार्य करती है।

9. **राष्ट्रीय आधुनिक कला गैलरी** : राष्ट्रीय आधुनिक कला गैलरी 1857 के बाद से समकालीन और आधुनिक कला का संग्रह है और इसके उद्देश्य भारत और विदेशों में व्याख्यान, प्रचार, प्रदर्शनियों के माध्यम से लोगों को शिक्षित करना है। इसका आस्ट्रेलिया तथा बंगलौर में एक केंद्र है।

10. **एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता** : सर विलियम जोन्स द्वारा 1784 में स्थापित एशियाटिक सोसाइटी एक अद्वितीय संस्था है जिसने सभी साहित्यिक और वैज्ञानिक गतिवधियों के प्रमुख शीर्ष के रूप में सेवा की है। सरकार ने इसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में घोषित किया है।

11. **सांस्कृतिक संसाधन और प्रशिक्षण केन्द्र** : सांस्कृतिक संसाधन और प्रशिक्षण केन्द्र संस्कृति को शिक्षा से जोड़ने के लिए एक स्वायत्त संगठन है। केन्द्र भारतीय शैक्षिक प्रणाली की समृद्धि हेतु विशिष्ट उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करता है।

12. **नृत्य, नाटक और नाट्यशाला दृश्यों के लिए सहायता** : इस स्कीम के अन्तर्गत देश की सांस्कृतिक विरासत के उन्नयन हेतु सुस्थापित स्वैच्छिक सांस्कृतिक संगठनों को वेतन अनुदान, निर्माण अनुदान के रूप में सहायता दी जाती है।

13. **गांधी शान्ति पुरस्कार** : महात्मा गांधी की 125वीं जयन्ती समारोह के एक भाग के रूप में, भारत सरकार ने अहिंसा और अन्य गांधीवादी विधियों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन के लिए एक वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय गांधी शांति पुरस्कार की स्थापना की घोषणा की है। भारत के माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में निर्णायकों के द्वारा प्राप्तकर्ता का चयन किया जाता है। इस पुरस्कार में 1.00 करोड़ रुपए अथवा विदेशी मुद्रा में समतुल्य राशि, एक प्रशस्तिपत्र और पट्टिका प्रदान किया जाता है।

16. **राष्ट्रीय संस्कृति निधि**: के अनुसार धर्मार्थ दान अधिनियम 1890 के तहत स्थापित यह निधि राज्य सरकारों, सांविधिक निकायों, निजी निगमित क्षेत्रों, सोसाइटियों, व्यक्तियों और संयुक्त राष्ट्र और इस की सहायक संस्थाओं से भी संस्कृति सम्बन्धित प्रयासों के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करती है। राष्ट्रीय सांस्कृतिक निधि में भारत सरकार से निधि अंशदान का प्रावधान है।

18. लोकनायक जय प्रकाश नारायण जन्म शताब्दी समारोह : राष्ट्रीय समिति द्वारा लिए गए निर्णय के अनुरूप यह समारोह 11 अक्तूबर, 2002 से 10 अक्तूबर, 2003 तक की एक वर्ष की अवधि के लिए मनाया जा रहा है। वर्तमान वर्ष के दौरान भारत के उपराष्ट्रपति तथा भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री चन्द्रशेखर की अध्यक्षता में गठित राष्ट्रीय समिति/उपसमिति द्वारा अनुमोदित क्रमशः 15 करोड़ रुपए की 7 परियोजनाओं का कार्य शुरू किया गया है। अगले वित्तीय वर्ष के दौरान ऐसी और परियोजनाओं की योजना बनायी जाएगी।

20. राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन : राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन फरवरी, 2003 में आरम्भ किया गया था । मिशन का उद्देश्य देशभर से अमूल्य पाण्डुलिपियों की सूची बनाना, संरक्षण एवं संग्रहण करना है। मिशन पाण्डुलिपि संसाधन केंद्रों का एक नेटवर्क तथा संरक्षण केंद्रों की स्थापना कर चुकी है।

प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त, 2003 को दिए गए अपने भाषण में निम्नांकित **तीन राष्ट्रीय मिशनों** की घोषणा की है।

* भारतीय अमूर्त विरासत संबधी राष्ट्रीय मिशन
* पुरावशेषों के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय मिशन
* निर्मित विरासत, स्मारकों एवं स्थलों के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय मिशन।

भारतीय अमूर्त विरासत संबंधी राष्ट्रीय मिशन देश की अमूर्त विरासत संपदा की सूची बनाएगा, दस्तावेज तैयार करेगा, उसे संरक्षित करेगा, पुनजीर्वित करेगा तथा बनाए रखेगा। इस मिशन के अंतर्गत अमूर्त सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के पुनरुज्जीवन एवं सुरक्षा के लिए नए कार्यक्रम आरम्भ किए जाने का प्रस्ताव है। पुरावशेषों के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय मिशन ऐसा माहौल तैयार करेगा जिससे देश में पुरावशेषों को सूचीकृत, संरक्षित एवं प्रलेखित किया जाएगा। निर्मित विरासत, स्मारकों तथा स्थलों के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय मिशन पूरे देश के निर्मित दाय तथा निर्मित दाय के अवशेषों का कम्प्यूटरीकृत डाटाबेस तैयार करेगा, नागरिक समाज में जागरुकता में वृद्धि करेगा तथा ऐसे कार्यक्रम आरम्भ करेगा जिससे देश में बड़ी संख्या में असंरक्षित स्मारकों का समुचित रूप से संरक्षण एवं रख-रखाव किया जा सके।

21. **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण** : भारतीय पुरात्तत्व सर्वेक्षण की स्थापना वर्ष 1861 में इस देश में पुरातत्व विषयक अवशेषों का सर्वेक्षण तथा उसका अध्ययन करने के मुख्य उद्देश्य से की गई थी । इसके मुख्य कार्य केन्द्रीय रूप से संरक्षित स्मारकों तथा स्थलों का अनुरक्षण तथा पर्यावरणात्मक विकास करना, स्मारकों तथा प्राचीन वस्तुओं का रासायनिक उपचार और संरक्षण करना, प्राचीन स्थलों की खोज तथा खुदाई करना, शिलालेखों तथा भारतीय वास्तुकला के विभिन्न चरणों का विशिष्ट अध्ययन करना, पुरातत्वीय संग्रहालयों का रख-रखाव करना, प्राचीन वस्तुओं तथा कला सम्पत्ति अधिनियम, 1972 को लागू करना, और पुरातत्व के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान करना और प्रशिक्षण देना शामिल है ।

22. **भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार** : भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत सरकार के मंत्रालयों और विभागों से सम्बन्धित स्थायी महत्व के पुराने अभिलेखों का केन्द्रीय भण्डार है। यह प्रमुख भारतीयों के निजी दस्तावेजों तथा विदेशों से प्राप्त भारतीय हित के अभिलेखों की सूक्ष्म फिल्म प्रतियों का अधिग्रहण और संरक्षण भी करता है। यह ऐतिहासिक अनुसंधान के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराता है तथा स्कूल ऑफ आरकाइवल स्टडीज के जरिए वैज्ञानिक क्षेत्र पर देश में पुरातत्व संरक्षण का संवर्द्धन करता है जो इस सम्बन्ध में कई पाठ्यक्रम चलाता है। इसका भोपाल में क्षेत्रीय कार्यालय है तथा जयपुर, पांडिचेरी और भुवनेश्वर में अभिलेखागार केन्द्र हैं।

23. **राष्ट्रीय संग्रहालय** : यह संस्कृति विभाग का एक अधीनस्थ कार्यालय है, जो देश के प्रमुख संग्रहालयों में से एक है । इसकी स्थापना 1949 में हुई थी । संग्रहालय की मुख्य गतिविधियों में ये शामिल हैं; (i) कला और संस्कृतियों से संबंधित प्रकाशन निकालना, (ii) कला वस्तुओं की प्राप्ति और सरंक्षण ; (iii) प्रदर्शनियां आयोजित करना; (iv) भारतीय शिल्पों और कांसे की कृतियों की प्रतिकृतियां तैयार करना; (v) दृश्य-श्रव्य और अन्य शैक्षिक कार्यक्रम ; (vi) कला और सरंक्षण के इतिहास का शिक्षण; और (vii) रिप्रोग्राफी सेन्टर की स्थापना जो कि भारत तथा विदेशों में प्रदर्शनियों का आयोजन करता है।

24–25. **राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद** : इसका काम प्रदर्शनियों और विचार-गोष्ठियों के आयोजन द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाना, विज्ञान शिक्षकों, विद्यार्थियों, युवा उद्यमियों, तकनीशियनों आदि के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि बनाना है । अन्य कतिपय स्थानों में लघु केन्द्रों के अतिरिक्त कलकत्ता, बंगलौर, बम्बई और दिल्ली में परिषद के संग्रहालय/केन्द्र हैं। यह देश भर में विज्ञान केंद्र भी विकसित करता है।

26. **भारतीय मानवशास्त्रीय सर्वेक्षण** : मानव शास्त्र और संबंधित विषयों में वैज्ञानिक अनुसंधान के विकास के लिए 1945 में इसकी स्थापना की गई थी। यह भारतीय जनसंख्या पर जैव - सांस्कृतिक अन्वेषण आयोजित करता है तथा भारत के लोगों के बारे में वैज्ञानिक महत्व के दस्तावेज संग्रहित करता है तथा उनका संरक्षण करता है।

27. **नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली** : यह संग्रहालय पंडित जवाहरलाल नेहरू से संबंधित पुस्तकों, समाचार पत्रों, अप्रकाशित सन्दर्भों, निजी दस्तावेजों, फोटोग्राफों, फिल्म टेपों और आवश्यक दस्तावेजों के अनुवाद के लिए उत्तरदायी है। यह आधुनिक भारत के राष्ट्रीय नेताओं के दस्तावेजों के परिरक्षण के लिए भी उत्तरदायी है।

28. **भारतीय संग्रहालय**: भारतीय संग्रहालय, जो कि संस्कृति विभाग का एक स्वायत्त संगठन है, अन्य बातों के साथ वीथियों के पुनर्गठन और पुनरूद्धार तथा मानव जाति वर्णन के नमूने और तकनीकी सामाजिक एवं आर्थिक सांस्कृतिक आंकड़े प्राप्त करने में लगा है। यह, आर्टिफैक्ट्स एवं मूर्तिकलाओं के प्राचीन संग्रहों को बड़ी संख्या में रखता है।

29. **सालार जंग संग्रहालय** : यह ऐतिहासिक महत्व की कला वस्तुओं के संरक्षण, परिरक्षण अर्जन तथा प्रदर्शनी, विशेष भाषणों, गैलरी बातचीत, सेमिनार आदि जैसी शैक्षणिक गतिविधियों के लिए काम करता है।

30. **इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल** : आईजीआरएमएस एक संग्रहालय है जिसकी समय और स्थान में मनुष्य की कहानी को चित्रित करने के लिए भारत के विशेष संदर्भ में मानवीय जैव-वैज्ञानिक और सांस्कृतिक मूल्यांकन को प्रकाशित करने तथा संस्कृतियों और सामुदायिक जानकारी व्यवस्थाओं की विविध चित्रावलियों के साथ देश के जीवन्त संग्रहालय के रूप में संकल्पना की गई थी। यह इसके सांस्कृतिक क्षेत्र के रूप में सामान्य मानवशास्त्र के इर्द-गिर्द विकसित किया जा रहा है तथा यह (1) विस्तार योग्य गैलरियों के साथ इन्डोर संग्रहालय और (2) बाह्य परिसर स्थायी खुली प्रदर्शनी की स्थापना के द्वारा अपने उद्देश्य प्राप्त करने के लिए अन्वेषण करता है।

31. **अन्य कार्यक्रम** : इसमें विक्टोरिया मैमोरियल हाल, कलकत्ता के लिए व्यवस्था की गई है, जो एक स्वायत्तशासी संगठन है तथा स्वतंत्रता संग्राम इतिहास की अवधि चित्रण काल से संबंधित समसामयिक कला का भंडार है। सांस्कृतिक सम्पदा के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला की स्थापना सांस्कृतिक सम्पदा के संरक्षण के तरीकों में अनुसंधान करने, संग्रहालयों को, पुरातत्व विभागों तथा अन्यों आदि को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के लिए 1976 में एक अधीनस्थ कार्यालय के रूप में की गई थी।

32. **राष्ट्रीय पुस्तकालय (नेशनल लाइब्रेरी) कोलकाता** : यह भारत और विदेशों में भारत के संबंध में प्रकाशित सभी पाठ्य और सूचना सामग्री के भंडारण के एक प्रमुख केन्द्र के रूप में कार्य करता है । यहां फारसी, संस्कृत, अरबी और तमिल पांडुलिपियों तथा दुर्लभ पुस्तकों का अमूल्य और विशाल संग्रह है । यह पुस्तक और समाचारपत्र परिदान (सार्वजनिक पुस्तकालय) अधिनियम, 1954 के अधीन और दक्षिण एशिया में निक्षेप पुस्तकालय है।

33. **दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी** : इसकी स्थापना 1951 में की गई थी, यह दिल्ली के नागरिकों को निःशुल्क लाइब्रेरी सेवाएं उपलब्ध कराती है। यह पुस्तकें और समाचार पत्र (सार्वजनिक पुस्तकालय) अधिनियम, 1954 के तहत प्राप्तकर्ता पुस्तकालय है।

34. **राजा राममोहन राय लाईब्रेरी फाउंडेशन, कोलकाता** : सन् 1972 में स्थापित, इस फाउंडेशन का ध्येय देश भर में समुचित लाइब्रेरी सेवाएं उपलब्ध कराना और पढ़ने की आदतों के विकास द्वारा देश में पब्लिक लाइब्रेरी आन्दोलनों का उन्नयन और समर्थन है।

35. **अन्य पुस्तकालय** : इनमें केन्द्रीय संदर्भ पुस्तकालय, कलकत्ता, केन्द्रीय पुस्तकालय, मुम्बई; खुदा बक्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी, पटना जो लगभग 100 वर्ष पुरानी हैं तथा पुरानी और दुलर्भ पुस्तकों तथा पाण्डुलिपियों का समृद्ध संग्रह है; रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, तंजावुर; महाराजा सरफोजी की सरस्वती महल लाइब्रेरी सोसाइटी, तंजावुर और कोन्नेमारा लाइब्रेरी, चैन्नई आदि शामिल हैं।

36. **पूर्वोत्तर क्षेत्र और सिक्किम की परियोजना/योजनाओं के लिए एकमुश्त प्रावधान** : यह व्यवस्था पूर्वोत्तर क्षेत्र तथा सिक्किम की परियोजनाओं/योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए है।